अभ्यास

Date - 19/4/21

कविता से

हिन्दी पाठ - 1 प्रार्थना प्र०/उ० + पुस्तक-कार्य

मौखिक (Oral)

1. कविता में कैसे मार्ग पर चलने की प्रार्थना की गई है? सत्यमार्ग पर
2. कविता में किन बुराइयों से दूर रहने की बात कही गई है। दंभ एवं द्वेष से
3. कविता में किस सपने के विषय में बताया गया है? भारत के महान बनने के सपने की

पढ़कर बताइए (Read and answer)

1. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

क. यदि राष्ट्र पर आँच जो आए,
हम बन जाएँ सिंह समान।

ख. स्वविश्वास भरा हो मन में,
आलस्य प्रमाद को चूर करें।

ग. श्रम के सच्चे साधक बनकर,
धर्म - पताका फहराएँ।

2. सही मिलान कीजिए–

सत्य	शक्ति
शत्रु	सच्चे साधक
सिंह	का प्रमाद
आलस्य	का मार्ग
कर्मठता की	के समक्ष
श्रम के	के समान

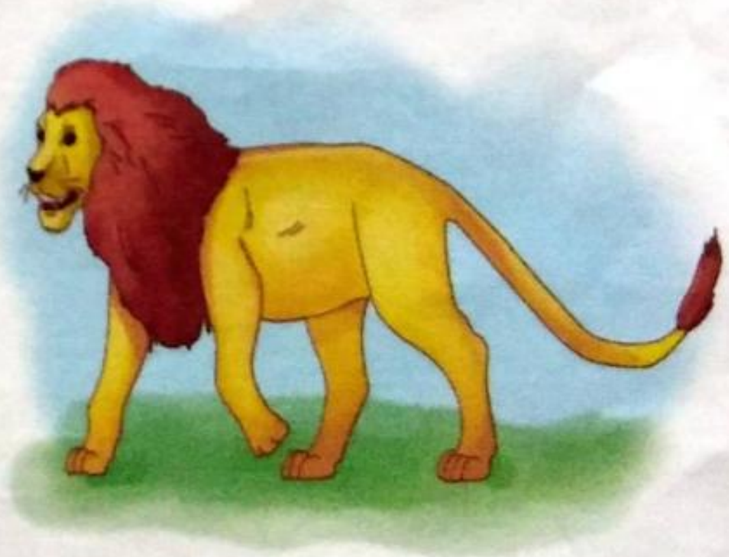

लिखित (Written)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short answer questions)

1. हमें शत्रु के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?
2. राष्ट्र पर कोई आँच न आए, इसके लिए हमें क्या करना चाहिए?

Scanned by TapScanner

अभिमंचित कीजिए।

भाषा से

तलेख– प्रार्थना, प्रभुवर, समक्ष, स्वार्थ, राष्ट्र, दंभ-द्वेष, प्रमाद, कर्मठता, सच्चरित्र, सद्विचार।

. **'र' के रूपों के तीन-तीन शब्द लिखिए–**

र –	भारत	रात	राजा
ᐧर्ᐧ –	धर्म	मार्ग	स्वार्थ
् –	प्रार्थना	भ्रमर	प्रभाव
^ –	राष्ट्र	ट्राम	ट्रक

Scanned by TapScanner

2. नीचे दिए संयुक्त व्यंजनों से बनने वाले दो-दो उदाहरण लिखिए–

क्ष	– समक्ष	क्षमा	कक्षा
त्र	– शत्रु	मित्र	त्रिशूल
ज्ञ	– ज्ञान	ज्ञात	ज्ञानी
श्र	– श्रम	श्रद्धा	श्रवण

3. किसी शब्द की प्रत्येक ध्वनि को अलग-अलग कर लिखने को **वर्ण-विच्छेद** कहते हैं। जैसे–

सत्य = स् + अ + त् + य् + अ

समक्ष = स् + अ + म् + अ + क् + ष् + अ

नीचे दिए शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए–

क. राष्ट्र = र् + आ + ष् + ट् + र् + अ

ख. विश्वास = व् + इ + श् + व् + आ + स् + अ

ग. धर्म = ध् + अ + र् + म् + अ

घ. स्वप्न = स् + व् + अ + प् + न् + अ

4. सही शब्द चुनकर दो-दो पर्यायवाची लिखिए–

विश्वास	–	श्रद्धा	आस्था
मार्ग	–	रास्ता	राह
रैन	–	रात	रात्रि
सिंह	–	शेर	वनराज
श्रम	–	मेहनत	परिश्रम

श्रद्धा	शेर
मेहनत	रास्ता
रात	आस्था
राह	रात्रि
परिश्रम	वनराज

प्रस्तावित गतिविधियाँ

परियोजना कार्य (Project work)

1. सन 1958 में प्रदर्शित फ़िल्म 'दो आँखें बारह हाथ' का गीत 'ऐ मालिक तेरे बंदे हम' इंटरनेट से ढूँढ़कर सुनिए और याद करके कक्षा में सस्वर गान कीजिए।
2. इंटरनेट से हटकर कुछ प्रार्थनाओं जैसे 'हमको मन की शक्ति देना', 'तुम्हीं हो माता पिता तुम्हीं हो', 'इतनी शक्ति हमें देना दाता' आदि चार-पाँच प्रार्थनाएँ एकत्र कर संकलन तैयार कीजिए।

Scanned by TapScanner

19/4/21 हिन्दी पाठ - 1 प्रार्थना प्र०/उ०

लघु उत्तरीय प्रश्न

उ० 1. यदि शत्रु सामने आ जाएँ तो हमें भयभीत नहीं होना चाहिए बल्कि अडिग रहकर वीरतापूर्वक उनका सामना करना चाहिए।

उ० 2. राष्ट्र पर कोई आँच न आए, इसके लिए हमें सिंह के समान गर्जना करनी चाहिए। सिंह के समान बहादुरीपूर्वक देश की रक्षा करनी चाहिए।

उ० 3. कविता में आलस्य के प्रमाद को नष्ट करने के लिए कहा गया है।

उ० 4. श्रम के सच्चे साधक बनकर धर्म-पताका फहराने की प्रार्थना की गई है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उ० 1. कविता के माध्यम से दिन-रात ईश्वर से भारत को महान बनाने के सपने को साकार करने की प्रार्थना की जा रही है। सदैव सत्य का साथ देने, कर्मवीर कहलाने, बहादुर तथा अटल बनने, स्वार्थ, लोभ, लालच, छल, दंभ तथा द्वेष से दूर रहने, सच्चरित्र तथा सद्विचार धारण करने, सभी धर्मों का सम्मान करने की प्रार्थना की गई है।

उ० 2. इस पंक्ति के माध्यम से बालक ईश्वर से प्रार्थना कर रहा है कि हम सद्गुणों को धारण कर चरित्रवान बनें तथा संकुचित विचारधारा को त्यागकर उच्च विचारों वाले बनें। सभी धर्मों का सम्मान करें तथा भारत को महान बनाने का स्वप्न साकार करें।

Scanned by TapScanner